BUILDING VOCABULARY IN THE EARLY GRADES

Early Literacy Initiative
Tata Institute of Social Sciences, Hyderabad

Practitioner Brief 10
2019

Supported by
TATA TRUSTS

This Practitioner Brief is part of a series brought out by the Early Literacy Initiative anchored by the Azim Premji School of Education at the Tata Institute of Social Sciences, Hyderabad.



कौन ?

चाँद प्यास मुस्काता
प्रश्न निर्मल इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?
अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?
अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?
अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरा–ही–हरा होना			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

Figure 1. A poem followed by a list of vocabulary to be learnt. Chhattisgarh SCERT textbook for grade 2. pp. 31-32

हम सभी यह जानते हैं कि अधिकांश भाषा की पाठ्य-पुस्तकों को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है और उनमें शब्द-भंडार किस प्रकार पढ़ाया जाता है। पाठ के अंत में कठिन शब्दों की सूची होती है और उनके साथ या तो उनके अर्थ दिये होते हैं या पर्यायवाची शब्द। आप ऊपर दिया चित्र देख सकते हैं। इसके बाद इन शब्दों से संबंधित कुछ गतिविधियां दी जाती हैं, जैसे कि शब्दों का उनके अर्थों के साथ मिलान करना, वाक्य पूरा करने के लिए सही शब्द चुनना या शब्दों से वाक्य बनाना। व्यापक स्तर पर प्रचलित यह तरीक़ा नए शब्द सीखने में आपको कितना कारगर लगता है? कोई कह सकता है कि ये बच्चों को नए शब्दों से परिचय कराने में मददगार होता है। उदाहरण के लिए अगर छात्र पढ़ता है, 'आसमान = नभ', तो वह नए शब्द 'नभ' से पहचान बना पा रहा है। लेकिन क्या लगता है, छात्र इस अर्थ को कितने समय तक याद रख पाएगा या फिर बोलते या लिखते समय इसका कितना इस्तेमाल कर पाएगा? एक तरह से देखा जाए तो शब्द-भंडार बढ़ाने का पारंपरिक तरीक़ा छात्रों को नए शब्दों पर स्वामित्व (ownership) बनाने कि बजाए उनसे परिचित कराने जैसा दिखता है।

शब्दों को जानने के स्तर

परिचित होने और स्वामित्व होने से आप क्या समझते हैं? आमतौर पर लोग मानते हैं कि शब्दों को समझना 'पूरा' या 'कुछ भी नहीं' जैसा है: या तो आप किसी शब्द को अच्छी तरह जानते हैं या बिल्कुल नहीं जानते। असल में किसी शब्द को जानने के विभिन्न स्तर हैं जैसा table 1 में दिखाया गया है (Beck, McKeown & Kucan, 2002)।

Table 1

शब्द-ज्ञान के स्तर

स्तर (Level)	मानदंड (**Criteria**)
स्थापित (Established)	Rich understanding of the word; meaning is easily and rapidly recognized शब्द की बख़ूबी समझ, इसमें अर्थ बहुत आसानी से और तेज़ी से पहचान में आ जाता है
परिचित (Acquainted)	*Level 2* - Basic meaning is recognized, after some thought स्तर 2 - थोड़े विचार के बाद मौलिक अर्थ समझ में आ जाता है *Level 1* - Have a general sense of the meaning (e.g. whether a word has positive/ negative quality) स्तर 1 - अर्थ की सतही समझ होती है (उदाहरण के लिए शब्द में सकारात्मक या नकारात्मक गुण हैं)
अपरिचित (Unknown)	No knowledge of the meaning अर्थ का कोई ज्ञान नहीं

शब्द-ज्ञान के इन स्तरों के साधारण प्रदर्शन के लिए, table 2 में दिये गए शब्दों की मदद से हिंदी या अंग्रेज़ी में अपने शब्द-ज्ञान का मूल्यांकन करें।

Table 2

शब्द-ज्ञान के स्तर के वर्गीकरण हेतु अंग्रेज़ी और हिंदी के शब्दों की सूची -

Words	Unknown	Acquainted	Established
Happy			
Complication			
Sentimental			
Unanimous			
Mendacious			
Words	अज्ञात	परिचित	स्थापित
किताब			
व्याकुल			
करछुल			
प्रासंगिक			
विप्लव			

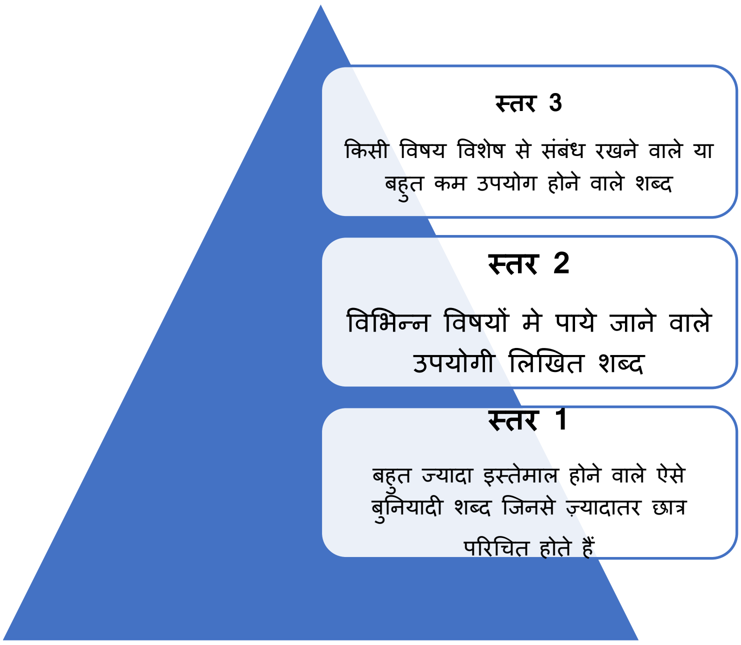
पूर्व में दिखाए गए इस पारंपरिक किताबी तरीक़े से हो सकता है छात्र शब्द की परिभाषा या उसके पर्यायवाची सीख ले, लेकिन फिर भी वह उस शब्द का बेहतर इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। नए शब्द का इस्तेमाल अपनी बातचीत में और लेखन में कर सकने के लिए ये ज़रूरी है कि छात्र उस शब्द की अवधारणा को बेहतर तरीक़े से समझे । साथ ही, वह शब्द वे किस तरह से दूसरे शब्दों और ज्ञात अवधारणाओं से जुड़ता है, इस बात को भी समझे । अतः हमें शब्द-ज्ञान के लिए ऐसे निर्देशों की योजना बनानी चाहिए जो छात्रों को शब्दों के साथ और गहराई से जुड़ने में मदद कर सके।
स्वाभाविक तौर से, पाठ्य पुस्तक के सभी शब्दों के अर्थ को इस गहराई से समझाने के लिए पर्याप्त वक़्त नहीं होता है और न ही ऐसा करने की ज़रूरत होती है। यदि बच्चों के साथ काम करने के लिए हम सावधानी से कुछ शब्दों का चयन करें और छात्रों को इन शब्दों के बारे में गहराई से सोचने के लिए प्रोत्साहित करें तो हम बच्चों के शब्द-भंडार को बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। ।

इस हैंड आउट में हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि गहन अध्ययन के लिए हम किस प्रकार शब्दों का चयन करें। हम शुरूआती कक्षाओं में कुछ चुने हुए शब्दों को पढ़ाने के कुछ तरीक़े भी साझा करेंगे।

शब्द-ज्ञान सिखाने के लिए शब्दों का चयन

आप कक्षा में आगे पढ़ाने के लिए किन शब्दों का चयन करेंगे? क्या वे वे सबसे कठिन शब्द नहीं होंगे? किन्तु ऐसा हो सकता है कि वे वे बहुत उपयोगी न हों। ये समझने के लिए कि ऐसा क्यों है, चलिये शब्दों के तीन स्तरों (देखें चित्र 2) को देखते हैं जो भाषा में उनकी भूमिका और उनके उपयोग के आधार पर बनाए गए हैं (Becket al., 2002, 2013) ।

स्तर 1 शब्द : ये बहुत ही बुनियादी शब्द होते हैं और आमतौर पर मौखिक भाषा में इस्तेमाल किए जाते हैं। स्थानीय भाषा बोलने वाले इन्हें बार-बार बचपन से सुनते आ रहे होते हैं। इस स्तर के शब्द से जान-पहचान का अर्थ ये है कि इन शब्दों के अर्थ को किसी को पढ़ाने के लिए कक्षा में बहुत समय लगाने की ज़रूरत नहीं है। उदाहरण के लिए look, dog, run warm, tired (अंग्रेज़ी में) और जल्दी, दूध, दाम, बर्तन, दौड़ना, मदद, दोस्त (हिंदी में)। अगर बच्चे की ये देशी नहीं है तो हमें इन शब्दों को उसे सिखाना होगा।



चित्र 2 शब्द पढ़ने के लिए तीन स्तरीय ढांचा। https://www.scholastic.com से लिया गया

स्तर 2 शब्द : ये शब्द आम बोलचाल की भाषा में बहुत ज़्यादा इस्तेमाल नहीं होते हैं । अतः ये हो सकता है कि छात्र इसे अपने आप से न सीख पाएं, लेकिन ये छात्रों के शब्द-भंडार को बढ़ाने में बहुत उपयोगी सिद्ध होते हैं और उनकी बातचीत और लिखावट को सार्थक और विशिष्ट बना देते हैं। उदाहरण के लिए emerge, categorize, compulsory, sufficient मूल्य, विरोध, पद्धति, भूमिका और इसी प्रकार के और शब्द। स्तर 2 के शब्द वे शब्द हैं जिनकी अवधारणा बच्चा पहले से ही जनता है किन्तु उसके लिए सटीक शब्द नहीं पता होता। उदाहरण के लिए हो सकता है बच्चा “enough” को समझता हो किन्तु “sufficient” शब्द न जानता हो। इसी तरह “दाम” और “मूल्य” के साथ हो सकता है। इस मामले में बच्चा एक ज्ञात शब्द या अवधारणा से उसके विशिष्ट और परिष्कृत रूप की तरफ़ जाता है।

स्तर 3 शब्द : विशिष्ट विषयों और संदर्भों के अतिरिक्त (जैसे, *enzyme, epidermis,* विकिरण, अधिचर्म, सप्तक), इन शब्दों का प्रायः बार-बार इस्तेमाल नहीं होता है। या फिर, इनके इतने कम

इस्तेमाल होते हैं कि शायद ही छात्र का इनसे कभी पाला पड़े (e.g., *abecedarian,* नभचर, छायाप्रति) । विज्ञान, गणित और सामाजिक अध्ययन विषय में प्रयुक्त होने वाले शब्दों को इस स्तर में रखा जा सकता है। आमतौर पर हमें भाषा सीखने के समय को इन तकनीकी शब्दों के साथ बहुत गहराई से जुड़ने के लिए ख़र्च नहीं करना चाहिए।

तो शब्दावली सिखाने में *शब्दों के तीन स्तर* के क्या मायने है? अधिकांश शिक्षक, शिक्षण के लिए सबसे कठिन शब्दों का चयन करते हैं। लेकिन यह ज़रूरी नहीं कि छात्रों के मौखिक और लिखित शब्द-भंडार के विस्तार के लिए सबसे कठिन शब्द सबसे उपयोगी भी हो। इसके बजाय मुख्य रूप से स्तर 2 के शब्दों को चुनना बेहतर होगा क्योंकि ये शब्द बच्चे के "समीपस्थ विकास के क्षेत्र (Zone of Proximal Development)" में हैं (व्यगोत्स्की, 1978), अर्थात ये बच्चों की पहुँच में हैं किन्तु इसके लिए उन्हें मदद की आवश्यकता है । चयनित शब्दों में एक व्यापक अनुप्रयोग होना चाहिए। इन्हे सीखने से आपके छात्रों की समझ और अभिव्यक्ति में सुधार होना चाहिए।

इसका मतलब ये नहीं है कि आप अन्य स्तरों के शब्दों को बिल्कुल ही शामिल ना करें। स्तर 3 के (यानी कठिन, विषय - विशिष्ट या दुर्लभ) शब्द जो आपके पाठ में दिखाई देते हैं, छात्रों के लिए उनके अर्थ का वर्णन बहुत कम समय में करें। उदाहरण के लिए, यदि कहानी का कोई पात्र बाल रोग विशेषज्ञ है तो उसे इस प्रकार समझाइए- ऐसे *डॉक्टर जो बच्चों के इलाज में माहिर होते हैं* और आगे बढ़ जाइए। इसी प्रकार कक्षा में दूसरी भाषा सीखनेवाले छात्रों को शब्द सिखाएं जो कि पैदाइशी भाषा बोलने वाले छात्रों के लिए स्तर 1 के शब्द होंगे।

अब तक की हमारी चर्चा के आधार पर, छत्तीसगढ़ की कक्षा 2 की हिंदी पाठ्य पुस्तक के पन्नों की समीक्षा करें। मान लीजिये की हिंदी आपके छात्रों के लिए स्थानीय भाषा (मातृभाषा) है, और:

क. शब्दार्थ वाले खंड में दिये गए शब्दों को तीन स्तरों में वर्गीकृत कीजिये।
ख. अगर आगे पढ़ाने के लिए आपको कविता से 3-4 शब्दों का चयन करना पड़े तो वे कौन-से शब्द होंगे और क्यों?

आप अपने द्वारा दिये गए उत्तरों को लेकर अपने साथियों के साथ चर्चा कर सकते हैं।

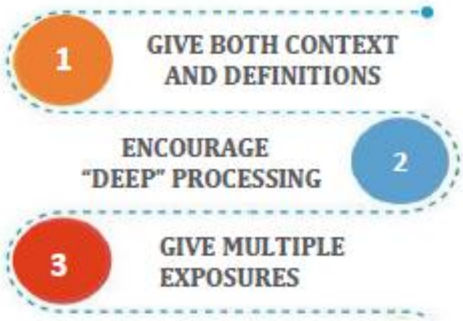
क्या आप और आपके दोस्त एक ही नतीजे पर पहुंचे हैं? क्या अगर आप अलग पृष्ठभूमि/विद्यालय की कक्षा 2 को पढ़ा रहे होते तो कुछ अलग शब्दों का चयन करते? यदि आप कक्षा 3 या 4 को पढ़ा रहे होते तो क्या करते?

कौन-से शब्द किस श्रेणी के हैं इसका निर्णय बहुत बदलता रहता है। जहाँ 'नभ' छोटे शिक्षार्थियों के लिए अक्सर स्तर 3 के शब्द की तरह जाना जाता है, 'निर्मल' और 'प्रश्न' का चयन इन बातों पर निर्भर करेगा कि आपके छात्र की हिंदी भाषा को लेकर कैसी जानकारी है, स्कूल के बाहर भाषा को इस्तेमाल करने के कितने अवसर मिलते हैं, शब्द जो वे वे पहले से ही जानते हैं और इसी तरह की

अन्य बातें। शब्दों का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपके छात्र की उम्र, पृष्ठभूमि और ज़रूरतें क्या हैं।

शब्द-ज्ञान का शिक्षण: कुछ सिद्धान्त

चुने हुए शब्दों के लिए शब्द-भंडार का शिक्षण बनाते समय कुछ सिद्धांतों का ध्यान रखें (Stahl, 1986) (चित्र 3 देखें).



चित्र 3 - शब्द-भंडार पढ़ाने के मुख्य सिद्धान्त

संदर्भ और परिभाषा दोनों ही दें

अक्सर हम छात्रों को एक परिभाषा तो देते हैं, लेकिन शब्दों का उचित उपयोग कैसे करें इसके लिए कोई संदर्भ नहीं देते । नए शब्द सीखने में संदर्भ की जानकारी बहुत महत्वपूर्ण है, ख़ासख़ासतौर से जब दूसरी भाषा सीखने की बात हो। उदाहरण के लिए, "erode" की परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है"धीरे-धीरे घिस जाना"। एक बच्चा तब कह सकता है, "मेरे जूते धीरे-धीरे घिस गए हैं"। लेकिन यह शब्द का सही इस्तेमाल नहीं है। इस शब्द के सही उपयोग की अधिक जानकारी कि इसका इस्तेमाल मिट्टी, चट्टान या जमीन के क्षरण के लिए होता है, देने से बेहतर समझ बन सकती है । साथ ही, ऐसे कई उदाहरण दें जहाँ किसी शब्द को विभिन्न संदर्भों में सही ढंग से उपयोग किया गया है और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

गहन विश्लेषण के लिए प्रोत्साहित करें -

अगर हम चाहते हैं कि हमारे छात्र पढ़ने और लिखने में प्रभावी ढंग से शब्दों का उपयोग करें तो यह महत्वपूर्ण है कि वे नए शब्दों के बारे में गहराई से सोचें। इसके लिए छात्रों को उन्हें बातचीत और लेखन में अलग-अलग तरीक़े से इस्तेमाल करने के अवसर दें। जब हम छात्रों से "एक वाक्य बनाने" के लिए कहते हैं तो हमें लग सकता है कि हमने उन्हें इसका उपयोग करने का अवसर दिया है। लेकिन छात्र अक्सर बिना सोचे-समझे वाक्य बनाते हैं। यह LiRIL शोध में देखा गया, जहां एक अपेक्षाकृत उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्र ने ये वाक्य बनाया (सुब्रमण्यम, मेनन और कुट्टी, 2017, पी .44):

• मैंने गौरव (pride) को देखा है।

• मैंने ग्राहक नहीं देखा है।

• मेरे मित्र का नाम होल (hole) है।

व्याकरण की दृष्टि से ये वाक्य सही हैं, लेकिन इनमें नए शब्दों का सार्थक तरीक़े से उपयोग नहीं होता । इसके बजाय, छात्रों को अपने काम में शब्दों के अर्थ को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करें। हमने इसे करने के कुछ तरीक़े अगले भाग में साझा किए हैं।

कई एक्सपोज़र दें

हमारी पाठ्य पुस्तकों में चर्चा के लिए चुने गए शब्दों की चर्चा केवल दिये गए पाठों के संदर्भ में ही होती है। आमतौर पर प्रत्येक अध्याय के साथ ध्यान/फोकस नए शब्दों की तरफ़ बढ़ता जाता है। इसके बजाय, कक्षागत दिनचर्या एवं गतिविधियों के माध्यम से नए सीखे शब्दों के बार-बार एक्सपोज़र देने की योजना बनाएं।

शब्द-ज्ञान का शिक्षण: कक्षा के लिए सुझाव

जब भी कोई नया शब्द छात्रों को बताएं तो उन्हें शब्द की स्पष्ट और आसान व्याख्या दें। उदाहरण के लिए, शब्दकोश के अनुसार compulsory शब्द की परिभाषा होगी 'क़ानूनन ज़रूरी है', 'कठोरता से लागू किया गया', 'अनिवार्य'। इसके बजाय आप कह सकते हैं कि जब कोई चीज compulsory होती है तो इसका अर्थ होता है कि आपके पास कोई चुनाव नहीं है, आपको ये करना ही होगा; जैसे कि आपका गृहकार्य। पर्यायवाची शब्द और अवधारणाएं जिनसे छात्र पहले से परिचित हैं को उदाहरण के रूप में शामिल करें। यदि संभव हो तो फोटो या चित्र दिखाएं जो छात्रों को शब्द समझने में मदद कर सकता है। विभिन्न संदर्भों में इस्तेमाल किए जा रहे शब्द के कई उदाहरण प्रस्तुत करें।

इन प्रारंभिक स्पष्टीकरणों को विकसित होने देने के लिए छात्रों को छोटे और जीवंत गतिविधियों का उपयोग कर अर्थ के बारे में गहराई से सोचने के लिए प्रोत्साहित करें। आगे हम ऐसी गतिविधियां दे रहें हैं। इनमें से ज़्यादातर सुझावों (विचारों) को बेक एवं अन्य सहयोगी (2002) और योप, योप और बिशप (2009) से लिया गया है। । हर गतिविधि में, आप अपने छात्रों से जो करवाना चाहते हैं उसे पहले स्वयं करके दिखाएं और उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वेगतिविधियों को करने का प्रयास करते समय वे अपने तर्कों को समझाते रहें।

गहन विश्लेषण वाले प्रश्न

छात्रों से केवल परिभाषा या पर्यायवाची पूछने के बजाय उनसे ऐसे प्रश्न पूछें जो उन्हें शब्द के अर्थ के बारे में अधिक गहराई से सोचने की तरफ़ लेकर जाएं। इसके उदाहरणों में निम्न शामिल हैं :

- किन चीज़ों के होने से यात्रा रोमांचक बन सकती है?
- Fabulous शब्द के अर्थ के ज़्यादा करीब क्या है - great या okay? क्यों?
- दीर्घायु के कौन-कौन-से कारक हो सकते हैं - ....

या, नए सीखे गए शब्दों के बारे में ये आसान प्रश्न पूछें -

- When might you ......? (जैसे- आप किसी की प्रशंसा कब कर सकते हो? उस स्थिति का वर्णन करें)
- How might you ....?
- Why might you .... ?
- Have you ever ....?

शब्द संगति

4-5 नए सीखे हुए शब्दों का समूह लें और छात्रों से कहें कि वे वे उनमें से एक शब्द को नीचे दिये गए वाक्यों से मिलान करने की कोशिश करें तथा उसका कारण भी बताएं।

Examples of Word Association

(I) Target words: ***accomplice, philanthropist, virtuoso*** **and** ***novice***

- Which word goes with *crook? (accomplice)*
- Which word goes with "gift to build a new hospital"? (*philanthropist*)
- Which word goes with piano? (*virtuoso).*
- Which word goes with kindergartner (*novice)*

(Beck et al., 2002, pages 44-46)

(II) Target words: ***मूल्य, दयालु, अपराधी, कौशल***

- "नौकर को नए कपडे दिलवाना" के साथ कौन-सा शब्द जुड़ेगा? *(दयालु)*
- "जेल" के साथ कौन-सा शब्द जुड़ेगा? (*अपराधी*)
- "रंजना संगीत की परीक्षा में फर्स्ट आई" के साथ कौन-सा शब्द जुड़ेगा? (*कौशल*)
- "नानी अपने ज़ेवर अलमारी में बंद रखती हैं" के साथ कौन-सा शब्द जुड़ेगा? (*मूल्य*)

ये संगतियां न तो पर्यायवाची हैं और ना ही परिभाषा; बल्कि इनके लिए छात्रों को नए सीखे हुए शब्दों और पहले से जानते हुए शब्दों/स्थितियों के बीच एक संबंध बनाना होगा। उदाहरण के लिए, *crook (बदमाश) -accomplice (अपराध का साथी)* के बीच संबंध की एक व्याख्या ये हो सकती है कि हर crook अपने बुरे कामों में एक accomplice (साथी) चाहता है। छात्रों द्वारा ऐसे संबंधों के पीछे दिए कारणों को तब तक स्वीकार कीजिये जब तक इनका अर्थ निकलता हो।

सार्थक वाक्य निर्माण

यह एक सामान्य कार्य है जिसमें छात्रों को एक वाक्य में लक्षित शब्दों को इस्तेमाल करने की आवश्यकता होती है। हमने यह चर्चा की है कि छात्र ऐसे वाक्य बना सकते हैं जिनमें उन्हें उन शब्दों के अर्थ के साथ जूझने की आवश्यकता नहीं होती है, जैसे- "She/ He is …", "I saw a …", "It was …"। इससे बचने के लिए उनसे कहें कि वे अपने उत्तरों में कौन, क्या, कहाँ, कब, कैसे, क्यों आदि सवालों के उत्तरों को भी शामिल करें (Archer, n.d.)। उदाहरण के लिए, "we played in a tournament" बदल जाएगा "we played in basketball tournament in the school stadium" या "we played in a basketball tournament in the school stadium to find out the best team" (p. 19). या, ऐसे वाक्य दें जिनकी स्थिति समझाने के लिए छात्र को शब्द के अर्थ के बारे में सोचना ही पड़े (Beck et al., 2002) । उदाहरण के लिए -

- वह मालिक दयालु है क्योंकि उसने अपने नौकर को ....
- गाँव वालों ने पेड़ काटने के विरोध में .... किया।

शब्द नक्शा

हमने पहले ये बात की है कि शब्दों को सीखना असल में अवधारणाओं को सीखना है। दृष्टिगत ढांचे या नक्शे किसी अवधारणा को गहराई से समझने में बहुत मददगार होते हैं। फ्रायर का फोर स्क्वायर मॉडल इसका उदाहरण है। ये छात्रों को इस बात का मौक़ा देता है कि वे किसी शब्द की परिभाषा को ध्यान में रखते हुए उसके मुख्य गुणों को, उदाहरणों को और वे ऐसी चीज़ें जो उस शब्द के उदाहरण नहीं हो सकते, उन्हें चिह्नित करें। (चित्र 4 देखें)

चित्र 4 : compulsory शब्द के लिए फ्रायर का मॉडल

परिभाषा यदि कोई चीज़ compulsory है तो नियम के चलते आपको उसे करना ही पड़ेगा।	**विशेषताएं** • कोई विकल्प नहीं- आपको करना है। • नियम पर आधारित • नहीं करने पर सज़ा भी मिल सकती है।
COMPULSORY	
उदाहरण • समय पर स्कूल पहुंचना • परीक्षा देना या गृहकार्य करना • मोटर-साइकिल चलाते समय हेलमेट पहनना	**इसके उदाहरण नहीं है -** • दोस्त की मदद करना • बाज़ार से मिठाई खरीदना • खेलने के लिए बाहर जाना

शब्द सूत्र -

अपने छात्रों को बहुत ध्यान से चुने हुए ऐसे 10-12 शब्द दें जो वे वे पहले सीख चुके हैं और उनसे कहें वे कि वे उन्हें सार्थक तरीक़े से समूहों में विभाजित कर लें। हर समूह में कम से कम 2 शब्द होने चाहिए। उन्हें अपने साथी या शिक्षक को यह बात समझानी होगी कि उन्होंने जिन शब्दों को ख़ास समूहों में रखा है उन्हें क्यों साथ रखा है। ये छात्रों को शब्दों की सिर्फ़ समीक्षा करने में ही मदद नहीं करता, बल्कि उन शब्दों के बीच के संबंधों के बारे में रोचक तरीक़े से सोचने के लिए भी प्रेरित करता है । दूसरा विकल्प ये है कि उन्हें शब्दों को छाँटने के लिए श्रेणी दे दिया जाए जैसा की चित्र 5 में दिखाया गया है।



Figure 5. Word sorts worksheet. Source: www.greatschools.com



Figure 6. A student matching words with picture cards at Gubbachi Learning Community, Bangalore.

शब्द खेल

आप छात्रों के शब्द-ज्ञान को सुदृढ़ करने (पुनर्बलन) के लिए मज़ेदार खेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। हम कुछ उदाहरण दे रहे हैं -

- कुछ नए सीखे हुए शब्दों को कक्षा में ज़ोर से बोलें और छात्रों से कहें उन शब्दों के लिए जल्दी से कोई हावभाव बनाएं।
- शब्दों को उनसे संबंधित चित्रों से मिलाएं जैसा कि चित्र 6 में दिखाया गया है।
- आप शब्दों से भरा डब्बा रख सकते हैं जिसमें से छात्र शब्दों का चयन करें और उनसे वाक्य बनाएं । इसे अकेले या समूह में कर सकते हैं।
- समयबद्ध कार्य में बच्चों से सवाल पूछें जैसे - बातूनी और संन्यासी में क्या संबंध हो सकता है। (Beck et al., 2013) शब्द सूत्र की ही तरह छात्रों के जवाबों को तब तक स्वीकार करते रहें जब तक उनका अर्थ बन रहा हो। उदाहरण के लिए एक उत्तर हो सकता है कि संन्यासी लोगों के साथ नहीं रहना चाहेंगे परन्तु बातूनी व्यक्ति लोगों के आस- पास ही रहना चाहेगा ताकि वह बात कर सके।

रैखिक जमावट (Linear Array)

जब छात्र ऐसे शब्द सीख रहे होते हैं (जैसे विशेषण और क्रिया विशेषण) जिसके ग्रेडेशन या डिग्री होते हैं तो रैखिक जमावट बहुत उपयोगी होते हैं। Array सीखे हुए शब्दों को ऐसे शब्दों के साथ जोड़ने में मदद करता है जो लगभग या कुछ हद तक एक जैसे गुणों वाले होते हैं। उदाहरण के लिए tepid शब्द (Yopp etal., 2009, p. 149). को लेते हैं। इस शब्द का अर्थ बताते समय बच्चों को बता सकते हैं की tepid का अर्थ होता है ना बहुत गरम (not too hot) और ना बहुत ठंडा (not too cold), गुनगुने जैसा और इसे अक्सर तरल पदार्थों के लिए इस्तेमाल करते हैं। उनसे पूछिये क्या वे tepid दूध पीना चाहेंगे अगर हाँ तो क्यों और अगर नहीं तो क्यों नहीं? उनके ज्ञान को और पुनर्बलित करने के लिए उनसे कहें कि वे tepid, cool, warm, hot और cold को कम तापमान से ज्यादा तापमान के क्रम में रखें (चित्र 9 देखें)। आपका ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि वे अपने क्रम के लिए क्या तर्क देते हैं? किसी शब्द को संबंधित शब्दों के संदर्भ में समझने का प्रयास करना, उन्हें शब्द के बेहतर अर्थ की तरफ़ लेकर जाता है।

इन सभी गहन विश्लेषण वाली गतिविधियों के साथ-साथ छात्रों को यह याद दिलाना ध्यान में रखें कि नए सीखे गए शब्द, नए संदर्भों में - अगले ही पाठ या कहानी की किताब में प्रयोग हो सकते हैं। जिन शब्दों को वे पहले से जानते है उनमें और ज़्यादा जानकारी और संबंधों को जोड़ने में उनकी मदद करें। साथ ही आपके लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि जब भी उचित मौक़ा मिले इन शब्दों का प्रयोग करते रहें। अर्थात जब आप कोई पुस्तक पढ़ रहे हों, छात्रों के साथ इसपर चर्चा कर रहे हों, उनसे मौखिक या लिखित उत्तर ले रहे हों तो ऐसे मौक़ों को चिह्नित करें जहां नए शब्द बेहतर विकल्प की तरह इस्तेमाल किए जा सकते हैं, जो उन्होंने पढ़ा है, कहा है, या लिखा है (Beck et al., 2002). ।

छात्र नए सीखे हुए शब्दों को कक्षा के बाहर भी ध्यान दें या इस्तेमाल करें इसके लिए प्रोत्साहित करने के लिए आप वर्ड विज़ार्ड (शब्दों का जादूगर) का खेल करवा सकते हैं (Beck et al., 2002) । इसमें यह बताने पर कि उन्होंने कक्षा के बाहर कौन-से संदर्भ में शब्द को देखा, सुना या इस्तेमाल किया, छात्रों को अंक मिलेंगे । यह कहीं भी हो सकता है- TV, रेडियो, विद्यालय में, सड़कों पर या फिर घर पर कहीं भी। हर कुछ हफ्ते में अंक को चार्ट में छात्रों के नाम से मिलाएं। जिस छात्र के सबसे अधिक अंक होंगे, वह वर्ड विज़ार्ड (शब्दों का जादूगर) कहलाएगा।



Figure 7. Shows an example of a linear array

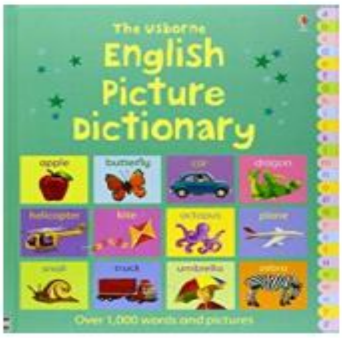


Figure 8. Shows an example of a picture-dictionary for children. Source: www.books4kids.net

छात्रों को यह सिखाना भी ज़रूरी है कि संदर्भ सामग्री का उपयोग कैसे करें ताकि वे ख़ुद से शब्दों के अर्थ सीख सकें। उनसे कहें कि वे शब्दों को शब्दकोश में या पुस्तक के अंत में शब्दावली में देखें। आप बच्चों के अनुकूल चित्र-शब्दकोश से शुरू कर सकते हैं (चित्र 8 देखें)। अन्य सूचना के स्रोत शब्द-लॉग, शब्द-मानचित्र, कक्षा में प्रदर्शित चित्र शब्दकोश चार्ट हैं। वे शिक्षकों या बड़े छात्रों से भी मदद मांग सकते हैं। किसी भी स्रोत का इस्तेमाल कर उन्हें संभावित अर्थ को वापस पाठ में जोड़ने और उनके द्वारा अब तक पढ़े गए पाठों के आधार पर उसका अर्थ बन रहा है या नहीं, इसकी जाँच करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शुरुआती कक्षाओं में शब्दावली को कैसे पढ़ाएं, यह लेख इसपर केंद्रित है। पुराने छात्रों के साथ आप शब्द के विभिन्न भागों (मूल, उपसर्ग, प्रत्यय आदि) को पढ़ने पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

साथ ही संदर्भों के आधार पर उन्हें स्वयं से अनजाने शब्दों के अर्थ पता करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

निष्कर्ष

छात्रों को प्रभावी ढंग से नए शब्दों का उपयोग करने में सक्षम होने के लिए उन्हें गहराई से उन शब्दों के साथ परिचित होने की आवश्यकता है। शब्दों के साथ गहराई से जुड़ने में बहुत समय और प्रयास लगता है। तो कुछ शब्द शब्दावली शिक्षण के लिए चुनें जो आपके छात्रों के लिए कई डोमेन (क्षेत्र) में उपयोगी हों। पढ़ाने के दौरान बजाय इसके कि सिर्फ उन्हें परिभाषा और पर्यायवाची बता दें, अलग - अलग संदर्भों में इन शब्दों को कितने अलग-अलग तरीक़ों से इस्तेमाल किया जाता है, इसका उदाहरण दें । उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे विभिन्न गतिविधियों जिनकी चर्चा हमने यहाँ की है, के माध्यम से इन शब्दों के साथ सक्रियता सेऔर बार-बार रूबरू हों। छात्रों से इन शब्दों के बारे में बातचीत करें और जो वे पहले से जानते हैं उसमें नयी जानकारी जोड़ने में उनकी मदद करें। शब्दों और उनके बीच के संबंधों के लिए उत्साह बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है । अगर आप ये सफलतापूर्वक कर पाते हैं तो छात्र ख़ुद से उनके अर्थ, संबंध और प्रयोग जानने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

इस लेख से आपको लग सकता है कि छात्र नए शब्द सिर्फ सीधे पढ़ने से ही सीखते हैं। परंतु जैसा कि सभी भाषाओं को सीखने के दौरान होता है, वे लगातार नए शब्द और उनके प्रयोग सीख रहे होते हैं क्योंकि आमतौर पर वे प्रामाणिक बातचीत और साहित्य से रूबरू हो रहे होते हैं। अतः, अपने छात्रों को मौखिक भाषा गतिविधियों, रीड अलाउड, किताबों/कहानियों के बारे में चर्चा तथा उनके अनुभवों के लेखन आदि में शामिल करें और इनके दौरान शब्दों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

Adapted from ELI Handout 10 (2019):" Building Vocabulary In The Early Grades"

References

Archer, A. (n.d.). Vocabulary development (2/03). Retrieved from https://www.nsbsd.org/cms/lib01/AK01001879/Centricity/Domain/41/Anita%20Archer-Voc.Dev.pdf

Beck, I. L., McKeown, M. G. & Kucan, L. (2002, 2013). *Bringing words to life: Robust vocabulary instruction* 2nd and 3rd ed. New York: The Guilford Press.

Stahl, S. A. (1986). Three principles of effective vocabulary instruction. *Journal of Reading,* 29 (7), pp. 662-668.

Subramaniam, S., Menon, S., & Sajitha S. (2017). *LiRIL teacher's guide – Teaching and learning the script*. Azim Premji University.

Vygotsky, L. S. (1978). *Mind in society: The development of higher psychological processes.* Cambridge, Mass.: Harvard University Press.

Yopp, H. K.; Yopp, R. H. & Bishop, A. (2009). *Vocabulary instruction for academic success.*

Huntington Beach, CA: Shell Education.
Author: Akhila Pydah | **Conceptual Support and Editing:** Shailaja Menon
Copy-editing: Simrita Takhtar | **Layout and Design:** Harshita V. Das